सब्जी मार्केट अग्निकांड: चेतावनी के बाद भी बरती गई लापरवाही

■ **NBT न्यूज, ठाणे :** ठाणे के गांव देवी स्थित मनपा के सब्जी मार्केट इमारत अग्निकांड मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। करीब 14 महीने पहले फायर ब्रिगेड ने अपने निरीक्षण में दुर्घटनाग्रस्त इमारत में अग्निरोधक यंत्रणा के न होने की बात कही थी। इसके अलावा टू वीलर पार्किंग परिसर में गाड़ियों के बीच डीजल जेनेरेटर सेट रखे होने, ग्राउंड फ्लोर से सब्जी मार्केट में जाने वाली सीढ़ियों को बंद करने, बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किए जाने, इलेक्ट्रिक मीटर रूम के पास कपड़ों की दुकान होने आदि बातें फायर ब्रिगेड ने 3 अप्रैल 2025 की अपनी रिपोर्ट में कही थीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि पार्किंग परिसर में आने जाने के लिए एक ही मार्ग होने से आपातकालीन स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है। यह रिपोर्ट मनपा प्रशासन को दी गई थी, लेकिन उसके बावजूद कोई सतर्कता नहीं बरती गई और न ही कोई कार्रवाई की गई।

14 महीने पहले फायर ब्रिगेड ने अपनी रिपोर्ट में बताई थीं कई खामियां

NBT फॉलोअप

मनपा अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

घटना के एक सप्ताह बाद भी मनपा प्रशासन की जांच रिपोर्ट सामने नहीं आई है। ठाणे कांग्रेस और सामाजिक कार्यकर्ता ने जिम्मेदार मनपा अधिकारी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल पिंगले और सामाजिक कार्यकर्ता भरत कुमार पिसाट ने मनपा अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पिसाट ने चेतावनी दी है कि यदि मनपा अधिकारी के खिलाफ 7 दिन में कार्रवाई नहीं की गई तो वे लोकायुक्त और मुंबई हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेंगे और पुलिस आयुक्त से मिलकर जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग करेंगे। पिछले सप्ताह गुरुवार को तड़के लगी आग में फायरकर्मी और मनपा के सिक्युरिटी गार्ड की मौत हो गई थी। इसके अलावा 3 फायरकर्मी झुलस गए थे।

फायर ब्रिगेड में 658 पद रिक्त

मामले में मनपा प्रशासन की तरफ से लीपापोती किए जाने की आशंका जताई जा रही है। NCP (SP) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मनपा प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। आव्हाड ने फायर ब्रिगेड के रिक्त पदों को भरने के साथ चीफ फायर ऑफिसर की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश दिया है। आव्हाड का कहना है कि पदों के खाली रहने से कर्मचारियों पर काम का ज्यादा बोझ रहता है। बता दें कि फायर ब्रिगेड में वर्तमान में 658 पद रिक्त हैं।

'आम' नहीं रहा हापुस का निर्यात, उत्पादन गिरा

60% तक गिरा उत्पादन, APMC में आवक रही कम

■ **NBT न्यूज, नवी मुंबई :** इस साल कोकण के हापुस का सीजन लगभग 15 दिनों की देरी से शुरू हुआ था और बीस दिन पहले खत्म हो गया। बारिश के कारण इस बार इस पर काफी असर पड़ा। महाराष्ट्र के कोकण, मुख्यतः रत्नागिरी के देवगड का हापुस आम अपनी मिठास और रसीले गूदे के कारण दुनियाभर में प्रसिद्ध है। भारत में सबसे पहले आम का सीजन रत्नागिरी से शुरू होता है। उसके बाद, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और उत्तर प्रदेश का आम बाज़ार में आता है। इस वक्त बाज़ार में कर्नाटक, गुजरात और उत्तर प्रदेश से आम आ रहे हैं। हालांकि हापुस आम की आवक लगभग खत्म हो गई है। हर साल 10 जून तक चलनेवाले हापुस आम का सीजन इस साल 20 मई को ही खत्म हो गया। इस वक्त कर्नाटक और गुजरात का हापुस एपीएमसी बाज़ार में आ रहा है। कुछ दिनों के बाद महाराष्ट्र के जुन्नार का हापुस बाज़ार में आएगा, जिसका सीजन लगभग 15 दिनों तक चलेगा।

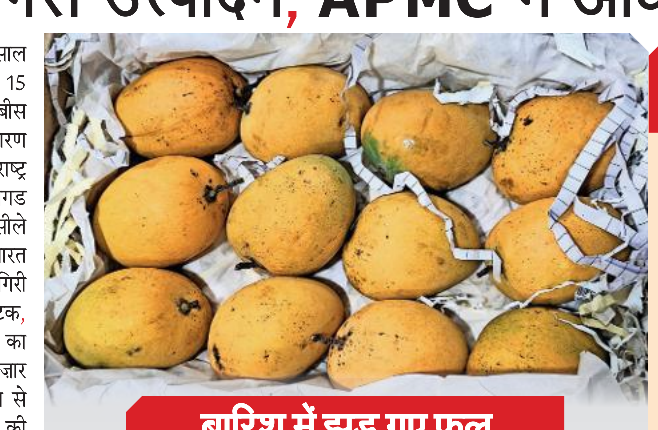

बारिश में झड़ गए फूल

व्यापारी संजय पानसरे ने बताया कि पिछले वर्ष बरसात नवंबर महीने तक चली थी, जिसके चलते आम की फसल को काफी नुकसान हुआ था। पहले तो आम के पेड़ों में फूल काफी देरी से आये और जो फूल पेड़ों में आए थे, बरसात के कारण बड़ी तादाद में वे सड़ और झड़ गए थे। बाद में जब उनमें आम आए तो उसमें से लगभग 20 प्रतिशत आम अपनी शैशव अवस्था में ही खराब हो गए थे। काफी आम तैयार होने के बाद दागी निकले, जिनका निर्यात नहीं किया जा सकता था।

कई बार छिड़कना पड़ा कीटनाशक

आम की फसल में बड़ी संख्या में कीड़े लगने के कारण किसानों को कई बार कीटनाशकों का छिड़काव करना पड़ा था। कई किसानों को चार से पांच बार छिड़काव करना पड़ा था, जिसके चलते किसानों की जेब पर असर पड़ा। नवी मुंबई की एपीएमसी में आम लेकर आनेवाले किसान मोहम्मद आलम ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल खर्च लगभग तीन गुना हुआ था और उत्पादन 40% तक ही हुआ। पूरे कोकण के किसानों की स्थिति ऐसी ही थी, इसलिए हमे उम्मीद थीं कि हमें अच्छी कीमत मिलेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पिछले साल 185 टन हुआ था निर्यात, इस साल आधा भी नहीं हुआ

एपीएमसी के व्यापारी विजय भेंडे ने बताया कि हापुस आम की भारत के साथ विदेश में भी बहुत मांग रहती है। यही कारण है कि हर साल बड़ी संख्या में आम का निर्यात किया जाता था। अमेरिका और यूरोप की टीमें यहां आकर आम का निरीक्षण करती हैं और जब वे अपना सर्टिफिकेट देती हैं, उसके पश्चात ही आम आगे भेजा जाता है। पिछले वर्ष लगभग 185 टन आम का निर्यात किया गया था, लेकिन इस साल उसका आधा भी निर्यात नहीं किया गया है। हालांकि अभी फाइनल आंकड़े नहीं आए हैं। सीजन खत्म होने के बाद ही ये आंकड़े आएंगे। सामान्यतः आम का निर्यात मार्च में शुरू किया जाता था, लेकिन इस साल उसी समय अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा था, जिसके चलते गल्फ देशों में आम का निर्यात बहुत कम हुआ। गल्फ में आम का निर्यात पहले समुद्री मार्ग से किया जाता था, लेकिन इस साल समुद्री मार्ग पूरी तरह से बंद होने के कारण एयर मार्ग से आम का निर्यात करना पड़ा, जो जल मार्ग की तुलना में महंगा रहा। कई बार प्लेन कैंसल होने के कारण भी आम का निर्यात प्रभावित हुआ। अमेरिका और यूरोप में पहले भी एयर मार्ग से ही आम भेजा जाता था, लेकिन इस साल भाड़ा लगभग तीन गुना अधिक था। इसलिए वहां के व्यापारियों ने काफी कम आम मंगवाए।

महंगाई के खिलाफ ठाणे कांग्रेस ने किया आंदोलन

Anil Shinde

■ **NBT न्यूज, ठाणे :** पेट्रोल, डीजल और गैस की दिनोदिन बढ़ती कीमतों तथा बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने बुधवार को रस्सी खींच आंदोलन किया। गाड़ी को रस्सी से खींचने के साथ साइकल चलाकर कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार का विरोध किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट राहुल पिंगले के नेतृत्व में तमाम कार्यकर्ता तीन पेट्रोल पंप परिसर में जमा हुए थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कार को रस्सियों से बांध कर खींचा और BJP सरकार के विरोध में नारे लगाए। इस दौरान कुछ लोगों ने साइकल चलाई। आंदोलनकारियों ने ईंधन की दरों को कम करने, बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने, आम जनता को महंगाई के बोझ से राहत देने की मांग की। राहुल पिंगले ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के चलते आम आदमी महंगाई की खाई में जा गिरा है। तेल कंपनियां कीमत में वृद्धि कर जनता को लूट रही हैं ।आंदोलन में स्मिता वैती, रवी कोली, निशिकांत कोली,भालचंद्र महाडिक, मोहन तिवारी, रवींद्र आंग्रे, महेंद्र म्हात्रे, अब्बास भाई, जावेद शेख, तरुण सिंग सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

गाड़ी को रस्सी से खींचा और साइकल चलाकर किया केंद्र का विरोध

कार की चपेट में आने से युवक की मौत

■ **NBT न्यूज, वसई:** मुंबई-अहमदाबाद हाइवे के वसई फाटा के पास मंगलवार रात सड़क पार करते समय 37 वर्षीय युवक की कार की चपेट में आने से मौत हो गई। पेल्हार पुलिस कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार, वसई पूर्व सातीवली निवासी गणपत देहु चिंभाटे (37) मंगलवार रात मुंबई-अहमदाबाद हाइवे के वसई फाटा पर सड़क पार कर रहा था, तभी मुंबई से गुजरात की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी।

इस हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। पेल्हार पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पेल्हार पुलिस ने कार चालक के खिलाफ किया केस दर्ज

देर से आना, फिर नज़र न आना फ्लैमिंगो के हाल कुछ ठीक नहीं

■ एनबीटी न्यूज, नवी मुंबई

फ्लेमिंगो सिटी के नाम से पहचान बना चुकी नवी मुंबई में इस वर्ष फ्लेमिंगो पक्षियों को लेकर काफी अनिश्चितता देखने को मिल रही है। पहले तो महीनों की देरी से फ्लेमिंगो नवी मुंबई आए और अब ये पक्षी लगातार अपनी लोकेशन बदलते दिख रहे हैं। पहले दिनभर सीवुड के डीपीएस लेक में विचरण करने वाले फ्लेमिंगो अब दोपहर के बाद अपना ठिकाना बाद लेते हैं। अब सुबह आनेवाले लोगों को तो डीपीएस लेक में कुछ पक्षी दिख जाते हैं, लेकिन दोपहर 1 बजे के बाद आनेवाले लोगों को पक्षी नहीं दिखते हैं। कई बार लोग इस उम्मीद में वहां खड़े रहते हैं कि शायद शाम को सूरज ढलने के बाद पक्षी वहां आएंगे, लेकिन देर रात तक पक्षी वहां नहीं पहुंचते हैं। ज्यादातर पक्षी एनआरआई कॉम्प्लेक्स के पीछे मौजूद तालाब में ही ठहरते हैं। वहां जाने के लिए काफी दूरी पर गाड़ी खड़ी कर तालाब तक चलकर जाना पड़ता है।

पर्यावरण प्रेमी बीएन कुमार ने बताया कि प्रशासन की तरफ से नवी मुंबई के वेटलैंड्स की लगातार अनदेखी की जा रही है। डीपीएस लेक में पानी आने के लिए जो चार मार्ग थे, उसमें से तीन मार्गों को लगभग बंद कर दिया गया है। इसके चलते अब डीपीएस लेक में काफी कम पानी बचा है। कम पानी होने के कारण वह गंदा हो गया है और फ्लेमिंगो का खाद्य पदार्थ काफी कम बचा है। इसके चलते पक्षियों को अपने खाने के लिए एक जगह से दूसरी जगह जाना पड़ रहा है। प्रशासन ने शहर में अनेक जगहों पर पक्षियों के पुतले लगा दिए हैं और जिस तरह की स्थिति है, उससे लग रहा है कि भविष्य में लोगों को इन पुतलों से ही संतुष्ट होना पड़ेगा।

सुबह नवी मुंबई, तो शाम को उरन में दिख रहे गुलाबी पक्षी

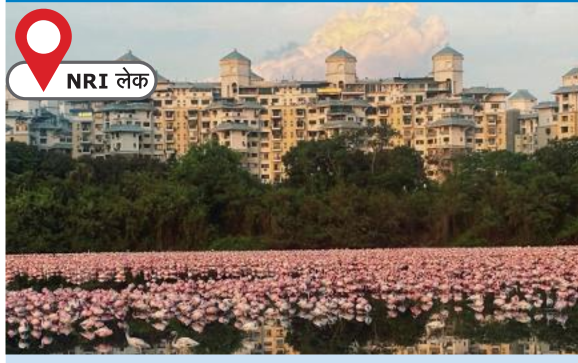

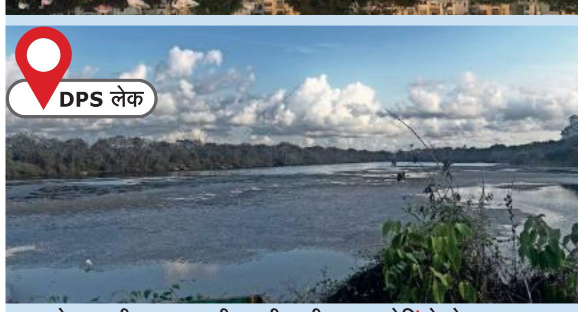

यह लेक कभी ऊपर वाली तस्वीर की तरह फ्लेमिंगो से भरा रहता था।

मुझे फोटोग्राफी का शौक है और मैं अलग-अलग प्रकार की फोटोज निकालकर संगृहीत करती हूं। हर साल मैं यहां आती हूं, लेकिन इस साल काफी कम पक्षी दिखाई दे रहे हैं। *-संगीता लालवानी, दर्शक*

जब भी विदेशी पक्षी आते हैं तो एनआरआई कॉम्प्लेक्स के पास काफी चहल-पहल रहती है। इस वर्ष लोग तो आ रहे हैं, लेकिन फ्लैमिंगो हमे खुद देखने को नहीं मिल रहे हैं। *-रेखा सूखेजा, स्थानीय निवासी*

मीरा रोड 'बकरा विवाद' में तीन मामले दर्ज

■ **एनबीटी न्यूज़, मीरा-रोड:** मीरा रोड स्थित पूनम क्लस्टर हाउसिंग सोसायटी में बकरीद के लिए लाए गए बकरों को लेकर हुए विवाद में काशीमीरा पुलिस ने तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। इनमें निषेधाज्ञा का उल्लंघन, जानवरों के साथ अमानवीय व्यवहार तथा मारपीट के आरोप शामिल हैं।

जानवरों के साथ अमानवीय व्यवहार तथा मारपीट से जुड़े हैं मामले

जानकारी के अनुसार, बकरीद के मद्देनज़र सोसायटी परिसर में लाए गए बकरों को हटाने की मांग को लेकर कुछ रहवासियों और सोसायटी पदाधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया था। देखते ही देखते मामला तूल पकड़ गया और कुछ हिंदुत्ववादी संगठनों के कार्यकर्ता भी आंदोलन में शामिल हो गए। मंगलवार को सोसायटी के बाहर तनावपूर्ण माहौल बन गया था। आंदोलन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बकरों को बाहर निकालने की मांग की। इसी दौरान परिसर में तीन सुअर लाने की कोशिश किए जाने का मामला भी सामने आया। वहीं एक मुस्लिम युवक के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। स्थिति बिगड़ने की आशंका को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया।

इलाके में लागू निषेधाज्ञा के बावजूद भीड़ जमा करने पर एक मामला दर्ज किया गया है, जबकि अन्य दो मामले जानवरों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार और मारपीट से जुड़े हैं।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

■ **NBT न्यूज, वसई:** वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के खैरपाडा इलाके में मंगलवार को 25 वर्षीय युवती ने फ़ांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खैरपाडा निवासी स्मिता संभाजी कांबले मंगलवार को घर पर अकेली थी, तभी उसने अज्ञात कारणों से बेडरूम में फांसी लगा ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विज्ञापन संख्या. 55/2026
भारत सरकार
लोक उद्यम चयन बोर्ड

बीईएमएल लिमिटेड
में
निदेशक (रेल और मेट्रो व्यवसाय)
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि
16th June, 2026 (15.00 बजे तक) है।
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को
लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि
25th June, 2026 (17.00 बजे तक) है।
जानकारी के लिए वेबसाइट
https://pesb.gov.in
में लॉग इन करें।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय
Government of India, Ministry of Home Affairs
कार्यालय भारत के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक
Office of the Custodian of Enemy Property for India
प्रथम तल, पूर्वी विंग (शिवाजी स्टेडियम एनेक्सी) कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
First Floor, East Wing, Shivaji Stadium, Connaught Place, New Delhi-110001

विभिन्न संविदात्मक पदों को भरने के लिए रिक्ति परिपत्र की सूचना:

भारत के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक (सीईपीआई) का कार्यालय शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के प्रावधानों के तहत एक सांविधिक प्राधिकरण है। इसका प्रधान कार्यालय दिल्ली में है और शाखा कार्यालय मुंबई, कोलकाता और लखनऊ में हैं।

सीईपीआई अपने प्रधान कार्यालय दिल्ली और मुंबई, कोलकाता तथा लखनऊ स्थित शाखा कार्यालयों में विभिन्न संविदात्मक पदों को भरने के लिए एक अभियान चला रहा है।

रिक्ति परिपत्र का विवरण नीचे दिया गया है और इस पर भी उपलब्ध है:
https://enemyproperty.mha.gov.in/epweb/vacancycircular

क्र. सं.	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या	तैनाती का स्थान
1	वरिष्ठ सलाहकार	4	दिल्ली, लखनऊ, मुंबई
2	परियोजना प्रबंधक (आईटी)	1	दिल्ली
3	मुख्य पर्यवेक्षक	4	दिल्ली, मुंबई, कोलकाता
4	सर्वेक्षक	5	लखनऊ, मुंबई, कोलकाता
5	पर्यवेक्षक	1	कोलकाता

विवरण ऊपर दी गई वेबसाइट से/क्यूआर कोड स्कैन करके भी डाउनलोड/देखा जा सकता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.06.2026 है।

CBC 19148/11/0004/2627

Annexure - A

GOVT. OF NCT OF DELHI
DIRECTORATE OF EDUCATION
PROJECT MANAGEMENT UNIT
OLD SECRETARIAT, DELHI

TENDER NOTICE

E-tenders are invited for Engagement of Agency for Strategic Communication, Media and Related Support Services under Directorate of Education, Govt. of NCT of Delhi. The tender document can be downloaded from: **https://govtprocurement.delhi.gov.in** (Tender ID: 2026_DE_291850_1) and last date for submission of bid is 01.06.2026 till 4:00 PM. Corrigendum/addendum, if any, shall appear only on **https://govtprocurement.delhi.gov.in**

Deputy Director of Education
Project Management Unit
DIP/Shabdarth/Classified/0082/26-27.

Reliance
Industries Limited
Growth is Life

रजिस्टर्ड कार्यालय: ३री मंज़िल, मेकर चैम्बर्स ४, २२२, नरीमन पॉइंट, मुंबई ४०० ०२१
दूरध्वनी: +९१-२२-३५५५ ५००० • फॅक्स: +९१-२२-२२०४ २२६८ • ई-मेल: investor.relations@ril.com
CIN: L17110MH1973PLC019786

कंपनी के सदस्यों के लिए सूचना
(अ) उनचासवीं वार्षिक आम बैठक (आईपीओ-पश्चात)
और (ब) ई-वोटिंग पर सूचना

कंपनी के सदस्यों की उनचासवीं वार्षिक आम बैठक (आईपीओ-पश्चात) (**''एजीएम''**) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (**''वीसी''**)/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स (**''ओएवीएम''**) के माध्यम से **शुक्रवार, १९ जून, २०२६ को (भारतीय समयनुसार) दोपहर २:०० बजे** कंपनी अधिनियम, २०१३ के सभी लागू प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, २०१५ के अनुपालन में, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (**''एमसीए''**) द्वारा जारी मामले पर सभी लागू परिपत्रों और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (**''सेबी''**) के साथ पठित, एजीएम बुलाने वाले नोटिस में निर्धारित व्यवसाय को लेन-देन करने के लिए आयोजित की जाएगी।

एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए एकल और समेकित लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, बोर्ड की रिपोर्ट, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और इसके साथ संलग्न करने के लिए आवश्यक अन्य दस्तावेजों के साथ, इलेक्ट्रॉनिक रूप से कंपनी के सदस्यों को भेजा जाएगा, जिनका ई-मेल पता कंपनी/केफिन टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड (**''केफिनटेक''**) कंपनी रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट/डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट(स)/डिपॉजिटरीज़ के पास पंजीकृत है। वेब-लिंक प्रदान करने वाला एक पत्र, सटीक पथ सहित, जिसमें वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए एजीएम की सूचना उपलब्ध है,उन सदस्यों को भेजा जाएगा, जिनका ई-मेल पता कंपनी/केफिनटेक/डिपॉजिटरी प्रतिभागी (यों)/डिपॉजिटरी में पंजीकृत नहीं है। एजीएम की सूचना और वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट **www.ril.com** और स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट, यानी बीएसई लिमिटेड (**''बीएसई''**) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (**''एनएसई''**) क्रमशः **www.bseindia.com** और **www.nseindia.com** और केफिनटेक की वेबसाइट **https://evoting.kfintech.com** पर भी उपलब्ध होगी।

ई-मेल पता पंजीकृत/अद्यतन करने का तरीका:

(अ) भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य, जिन्होंने कंपनी में अपना ई-मेल पता पंजीकृत/अद्यतन नहीं किया है, उनसे अनुरोध किया जाता है कि वे विधिवत भरा और हस्ताक्षरित फॉर्म आईएसआर-१ (कंपनी की वेबसाइट **www.ril.com** पर उपलब्ध) के साथ आवश्यक सहायक दस्तावेजों सहित केफिनटेक रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड को सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट ३१ और ३२, गाचीबावली, फाइनैन्शियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रमगुडा, हैदराबाद ५०० ०३२ में जमा कर अपना ई-मेल पता पंजीकृत/अद्यतन करें।

(ब) डीमैटीरियलाइज्ड मोड में शेयर रखने वाले सदस्य, जिन्होंने अपने डिपॉजिटरी सहभागियों से अपना ई-मेल पता पंजीकृत/अद्यतन नहीं किया है, उनसे अनुरोध है कि वे डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट(स) में पंजीकृत/अद्यतन करें जहां वे अपने डीमैट खाते रखते हैं।

ई-वोटिंग के माध्यम से वोट डालने का तरीका:

सदस्य इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम (**''ई-वोटिंग''**) के माध्यम से एजीएम की सूचना में निर्धारित व्यवसाय पर अपना वोट डाल सकते हैं। एजीएम की सूचना में मतदान का तरीका, जिसमें डीमटेरियलाइज्ड मोड, भौतिक मोड, में शेयर रखने वाले सदस्यों द्वारा और अपना ईमेल पता पंजीकृत नहीं करने वाले सदस्यों द्वारा दूरस्थ रूप से (**''रिमोट ई-वोटिंग''**) मतदान शामिल है, एजीएम की सूचना में प्रदान किया गया है। एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने रिमोट ई-वोटिंग द्वारा वोट(स) नहीं डाला है, वे इंस्टा पोल के माध्यम से एजीएम में वोट कर सकेंगे।

वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में शामिल होने का तरीका:

सदस्य वीसी/ओएवीएम के माध्यम से, जियोमीट से, https://jioevents.jio.com/rilagm पर एजीएम में भाग ले सकेंगे। एजीएम की सूचना में उपयोग किए जाने वाले लॉगिन क्रेडेंशियल और एजीएम में भाग लेने के लिए अपनाए जाने वाले चरणों के बारे में जानकारी दी गई है।

लाभांश और उसके भुगतान की अभिलेख तिथि

(अ) कंपनी ने ३१ मार्च, २०२६ को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुशंसित लाभांश के लिए सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने के लिए **शुक्रवार, ५ जून, २०२६** को **'अभिलेख तिथि'** के रूप में निर्धारित किया है।

(ब) लाभांश का भुगतान एजीएम समापन से ७ (सात) दिन के भीतर इलेक्ट्रॉनिक मोड के जरिए किया जाएगा। सेबी द्वारा अनिवार्य किए अनुसार, भौतिक मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों को लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक रूप से तभी किया जाएगा, जब वे अपने संबंधित भौतिक फोलियो के लिए अपना स्थायी खाता नंबर, संपर्क विवरण (डाक पता, मोबाइल नंबर और ई-मेल), बैंक खाता विवरण, नमूना हस्ताक्षर आदि भेजेंगे।

लाभांश प्राप्त करने के लिए अधिदेश दर्ज करने का तरीका:

सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपना पूरा पंजीकृत/अद्यतन करें:

(अ) यदि शेयर डीमैट मोड में रखे गए हैं, तो डिपॉजिटरी प्रतिभागी(यों) के पास अपने पूर्ण बैंक विवरण जमा करने होंगे, डिपॉजिटरी प्रतिभागी(यों) द्वारा मांगे गए फॉर्म और दस्तावेज जमा करने होंगे; और

(ब) यदि शेयर भौतिक मोड में रखे गए हैं, तो अपेक्षित सहायक दस्तावेजों के साथ केफिनटेक में स्थायी खाता नंबर, संपर्क विवरण (डाक पता, मोबाइल नंबर और ई-मेल), बैंक खाता विवरण, नमूना हस्ताक्षर आदि, विधिवत भरे और हस्ताक्षरित फॉर्म आईएसआर-१ उसके पूर्वोक्त पते पर जमा करने होंगे।

सदस्यों से अनुरोध है कि एजीएम की सूचना और विशेष रूप से एजीएम में शामिल होने के निर्देश, रिमोट ई-वोटिंग या एजीएम में वोटिंग के माध्यम से वोट डालने का तरीका ध्यान से पढ़ें।

निदेशक मंडल के आदेश से
हस्ताक्षर/ -
सावित्री पारेख
कंपनी सचिव और
अनुपालन अधिकारी

स्थान : मुंबई
दिनांक : २८ मे, २०२६

www.ril.com

आमद कीमतों ने खरीदारों की मिठास की कम, पिछले साल से दोगुने दाम पर बिक रही लीची

आवक खूब, लेकिन इस बार भाव भी खूब खा रही है बिहारी लीची

■ पुरुषोत्तम कनौजिया, नवी मुंबई

नवी मुंबई की एपीएमसी फल मंडी में अब बिहार के मुजफ्फरपुर की लीची की आवक शुरू हो गई है। हालांकि मंडी में लीची की बढ़ती आवक के बावजूद ग्राहकों को कीमतों में राहत नहीं मिल रही है। मई की शुरुआत में पश्चिम बंगाल से लीची की खेप एपीएमसी में पहुंचनी शुरू हुई थी। उस समय उपभोक्ताओं और व्यापारियों को उम्मीद थी कि बिहार से बड़े पैमाने पर लीची आने के बाद कीमतों में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

वर्तमान में बिहार और पश्चिम बंगाल को मिलाकर प्रतिदिन लगभग एक हजार बॉक्स लीची एपीएमसी मंडी में पहुंच रही है। इसके बावजूद मंडी में लीची की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। फिलहाल एक बॉक्स लीची की कीमत करीब 2500 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें लगभग 9 किलो लीची होती है। वहीं खुदरा बाजार में लीची करीब 300 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। खास बात यह है कि महंगी होने के बावजूद लीची की मांग कम नहीं हुई है। बड़ी संख्या में ग्राहक और खुदरा व्यापारी मंडी पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं।

नवी मुंबई एपीएमसी फल मंडी में लीची की शुरुआती खेप।

बदला खरीदारी का पैटर्न

हर साल की तरह इस बार भी लोग लीची खरीदने बाजार पहुंच रहे हैं, लेकिन बढ़ी कीमतों के कारण खरीदारी का पैटर्न बदल गया है। जहां पहले ग्राहक अधिक मात्रा में लीची खरीदते थे, वहीं इस बार लोग सीमित मात्रा में ही खरीदारी कर रहे हैं। पिछले वर्ष मई में लीची करीब 150 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, जबकि इस वर्ष इसकी कीमत 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।

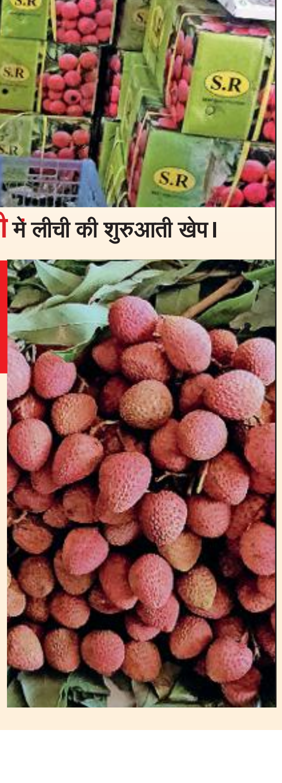

इस साल उत्पादन हुआ कम

मुजफ्फरपुर से लीची लेकर नवी मुंबई पहुंचे व्यापारी आरिफ रहमानी ने बताया कि इस वर्ष लीची का उत्पादन कम हुआ है, जिससे कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, 'पिछले साल किसानों से नौ किलो का एक बॉक्स लगभग 500 रुपये में मिल जाता था, लेकिन इस बार वही बॉक्स करीब 1000 रुपये तक पहुंच गया है। इसके बाद परिवहन लागत भी जुड़ती है। ट्रेन के माध्यम से लीची यहां पहुंचने में करीब दो दिन का समय लगता है, जिसके बाद यह बाज़ार तक पहुंचती है। व्यापारियों के अनुसार उत्पादन में कमी और बढ़ते परिवहन खर्च के कारण इस बार लीची की मिठास लोगों की जेब पर भारी पड़ रही है। हालांकि गर्मी के मौसम में इस रसीले फल की मांग अभी भी बरकरार है। उम्मीद जताई जा रही है कि कुछ दिनों के बाद जब बरसात शुरू होगी और बाज़ार में आवक में अधिक बढ़ोतरी होगी तब कीमतें कम होंगी। हालांकि जीआई टैग के कारण बिहार की लीची हमेशा महंगी ही बिकती है।